

प्रेषक,

मनीषा पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

(8)

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3,

देहरादून, दिनांक: 18 फरवरी, 2011

विषय:- माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं में कार्यरत कार्मिकों के वेतन एवं अन्य देयकों के भुगतान हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: अर्थ-1/81580/5(क)/01(01)/2010-11 दिनांक: 29 जनवरी, 2011 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं में कार्यरत कार्मिकों के वेतन एवं अन्य देयकों के भुगतान हेतु संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्र में उल्लिखित विवरणानुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से अनुदान संख्या-11 के अधीन आयोजनागत पक्ष में ₹ 1,39,38,000/- तथा आयोजनेत्तर पक्ष में ₹ 23,13,00,000/- एवं अनुदान संख्या-30 के अधीन आयोजनागत पक्ष में ₹ 90,00,000/- इस प्रकार कुल ₹ 25,42,38,000/- (र पच्चीस करोड़ बायालीस लाख अड़तीस हजार मात्र) की धनराशि को आपके निर्वर्तन पर रखी गयी धनराशि में से व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृत चालू योजनाओं/व्ययों पर ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वर्ष की नई मदों के क्रियान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/सुसंगत शासनादेशों के तहत नियमानुसार निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

- 1- योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।
- 2- यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- 3- अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- 4- मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- 5- व्यय करते समय वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पॉच भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेशों, आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

क्रमशः.....2

Q

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-02-माध्यमिक शिक्षा के अधीन संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्रों में स्तम्भ-5 में उल्लिखित सम्बन्धित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 852(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2010, दिनांक: 14 फरवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोपरि।

भवदीया,

(मनीषा पंवार)
सचिव।

संख्या: 161(1)/XXIV-3/11/02(52)/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- 3- निजी सचिव-मा0 मंत्री, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निजी सचिव-सचिव, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- आयुक्त कुमायूँ मण्डल नैनीताल/गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड।
- 9- अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी/कुमायूँ मण्डल-नैनीताल।
- 10- समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 11- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 12- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 13- वित्त विभाग/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 14- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड शासन।
- 15- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 16- अनुभाग अधिकारी, शिक्षा अनुभाग-2 4 एवं 5 उत्तराखण्ड शासन।
- 17- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(जी0पी0तिवारी)
अनु सचिव।